

आइआइटी इंदौर में बनेगा प्रदेश का पहला 10 मंजिला इंडस्ट्रियल रिसर्च पार्क

केंद्र को भेजा प्रस्ताव : स्टार्टअप तैयार करने व उद्योगों के लिए तकनीक खोजने का लक्ष्य

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान (आइआइटी) इंदौर प्रदेश का पहला 10 मंजिला इंडस्ट्रियल रिसर्च पार्क स्थापित करेगा। संस्थान ने केंद्र सरकार को इसका प्रस्ताव भेज दिया है। सोमवार को दीक्षा समारोह के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक से आइआइटी निदेशक ने प्रोजेक्ट को जल्दी मंजूरी देने का आग्रह भी किया। हॉवर्ड और स्टेनफोर्ड जैसे विदेशी विश्वविद्यालयों की तर्ज पर कैंपस से ही कंपनियां और आंत्रप्रेन्योर तैयार करना इस पार्क का उद्देश्य होगा। मौजूदा उद्योगों के लिए तकनीक की खोज और शोध का काम भी पार्क में चलेगा।

आइआइटी इंदौर ने इंडस्ट्रियल

डिफेंस टेक्नोलॉजी पर भी होगा शोध

पार्क में अलग-अलग विभाग होंगे। डिफेंस टेक्नोलॉजी में इंदौर-पीथमपुर में काफी संभावनाएं हैं। आइआइटी इस पार्क में इस दिशा में शोध करेगा। साथ ही आइटी, कृषि, सौर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भी विशेष शोध किए जाएंगे। आइआइटी निदेशक के मुताबिक करीब 20 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में बनने वाले पार्क की विस्तृत कार्ययोजना केंद्र सरकार को

भेज दी गई है। हमें मंजूरी का इंतजार है। ऐसे प्रोजेक्ट में 75 फीसद पैसा केंद्र से मिलेगा, शेष आइआइटी जुटाएगा। बाद में रिसर्च पार्क में चलने वाले शोध, कंसल्टेंसी, प्रोजेक्ट, प्रशिक्षण जैसी गतिविधियों से आइआइटी पैसा अर्जित कर सकेगा। अभी आइआइटी मद्रास में इंडस्ट्रियल रिसर्च पार्क सफलतापूर्वक चल रहा है।

रिसर्च पार्क को संस्थान का सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट करार दिया है। कार्यवाहक निदेशक प्रो. निलेश जैन के मुताबिक आइबीएम, गूगल जैसी कंपनियां विदेशी विश्वविद्यालयों के

कैंपस से ही स्टार्टअप के रूप में निकली हैं। इंडस्ट्रियल रिसर्च पार्क ऐसे ही स्टार्टअप विचारों को आकार देने और कंपनी के रूप में तैयार करने के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर के तौर पर काम करेगा।